5. लोकतंत्र की चुनौतियाँ

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short-Answer Questions)

प्र (6) लोकतंत्र क्या है ?

Ans: → लोकतंत्र एक प्रकार का शासन है, एक सामाजिक व्यवस्था का सिद्धांत है। पूर्व अमेरिका राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र की सबसे सरल और सर्वमान्य परिभाषा दी इनके अनुसार "लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता के द्वारा शासन की व्यवस्था है"।

लोकतंत्र में जनता अपने मतों द्वारा, अपने बीच से जन-प्रतिनिधियों को चुनती है, ये जन-प्रतिनिधि सरकार बनाते हैं और जनता के लिए कार्य करते हैं। इस तरह लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता के द्वारा शासन की व्यवस्था है।

प्र (7) गांधीवचन को राजनीतिक लोकतंत्र को प्रभावित करते हैं ?

Ans: → जब किसी चुनाव में किसी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तब राजनीतिक के गतिचारों में प्रतिनिधियों का मोल-तोल शुरू हो जाता है और शुरू होती है गठबंधन की राजनीति।

गठबंधन में शामिल दलों दलों का विचार और उद्देश्य एक नहीं होता है। वे अपने ~~लाभ~~ पर गठबंधन करते हैं। और नीजि लाभ की संभवना खत्म जुटते हैं। इससे प्रशासन पर सरकार की पकड़ ढीली हो जाती है। छोटे-छोटे मुद्दे पर गठबंधन में शामिल दलों के विचार नहीं ले पाते हैं, और समर्थन वापस ले लेते हैं। इससे सरकार गिर जाती है। इस प्रकार गठबंधन की राजनीति लोकतंत्र को प्रभावित करती है।

Q(7) नेपाल में किस तरह की शासन व्यवस्था है? लोकतंत्र की स्थापना में वहाँ क्या-क्या बाधाएँ हैं?

Ans: → वर्तमान समय में नेपाल में राजतंत्र की समाप्ति के बाद लोकतांत्रिक शासन आरंभ हुआ है।

माओवादी नेता पुष्प दहल द्वारा लोकतांत्रिक सरकार में अपनी इच्छा थोपना सबसे लोकतंत्र के स्थापना में एक बड़ी बाधा है।

Teacher's Signature

प्र. ④ क्या शिक्षा का अभाव लोकतंत्र के लिए चुनौती है

Ans: → हाँ शिक्षा का अभाव लोकतंत्र के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। शिक्षा के अभाव में कोई भी व्यक्ति अपने अधिकार और कर्तव्य को नहीं समझ सकता है। वह अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता है। इससे गलत लोगों का चुनाव होगा। गलत प्रतिनिधि लोकतांत्रिक सरकार का गठन करेंगे। इस प्रकार का लोकतंत्र कभी सफल नहीं हो सकता है। अतः शिक्षा का अभाव लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ी चुनौती है।

⑥/⑤ प्र. ⑤/⑦ क्या आतंकवाद लोकतंत्र के लिए चुनौती है स्पष्ट करें

Ans: → जब कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह अपने सामान्य उद्देश्य की प्राप्ति के लिए, मारकाट, दंगा फसाद का रास्ता अपनाते हैं, तो उसे आतंकवाद कहा जाता है। आज सारा संसार आतंकवादी गतिविधियों से प्रभावित है। आए दिन बंदूक, बम, आतंकवादियों का सफाया हो रहे हैं। हमारा भारतीय लोकतंत्र भी इससे अछूता नहीं है। भारत में दो प्रकार के आतंकवाद हैं एक पड़ोसी आतंकवाद और दूसरा कश्मीर। भारत के अंदर ही कई ऐसे

संविधान है जो अपनी इच्छा की पूर्ति के लिए आतंक का सहारा अपनाते हैं।
जैसे :→ नक्सली, उल्फा आदि।
बहुत से आतंकवादियों में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी अंगों नहीं हैं।
अलगाववादी, विध्वंसक गुंजाइशों आदि संगठन भारत में आतंक फैलाते हैं।
और चुनाव को बाधित करने का प्रयास करते हैं। हमारा सरोकार आतंकवाद का सहारे बड़ा मुद्दा मांगों है।
आज भी कई स्थानों पर लोग आतंकवाद के डर से अपने मताधिकार का प्रयोग करने नहीं जाते हैं, वो
अतः आतंकवादियों के लिए चुनौती है।

Long दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long - Answer Question)

(i) वर्तमान भारतीय राजनीति में लोकतंत्र की कौन-कौन सी चुनौतियां हैं। विवेचना करें

Ans: → भारत संसार का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहां लोकतंत्र ने काफी सफलता प्राप्त की है। परंतु फिर भी लोकतंत्र के मार्ग में कई बाधाएं मौजूद हैं -

(i) अशिक्षा :→ आज भी हमारे देश के आधे से अधिक लोग शिक्षित नहीं हैं। लोकतंत्र के लिए यह बड़ी चुनौती है।

(ii) गरीबी बेरोजगारी :→ आज भी देश की ~~आबादी~~ आबादी के बड़े हिस्से को दो वक्त की रोटी और रोजगार मयस्सर नहीं है। अतः ऐसी जनता को मतदान में सोचेगी। लोकतंत्र के लिए नहीं सोचेगी।

(iii) क्षेत्रवाद :→ आज भी भारतीय राजनीति में क्षेत्रवाद मौजूद है।

(iv) जातिवाद :→ आज भी भारतीय राजनीति में जातिवाद के जड़े कमजोर नहीं हुई है जो भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरे चुनौती है।

इसके अतिरिक्त कुछ और राज मयस्सर में दहेज, आतंकवाद, किसी दल को अपेक्षित बहुमत न मिलना, अपराधीकरण चुनावी रंग, राजनीति में महिलाओं का अभाव, भूत धार्मिक आदि भारतीय लोकतंत्र की चुनौती है।

(2) बिहार की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी, लोकतंत्र के विकास में कहां तक सहायक है?

Ans:→ आज की महिलाएं राष्ट्रीय की प्रगति के लिए पुरुषों के साथ कंधा - से कंधा मिलाकर काम कर रही है। खेती - बारी से लेकर हवाई - जहाज उड़ाने और अंतरिक्ष तक जाने को काम महिला कर रही है।

अन्ततः महिला हर क्षेत्र में विकास कर सकती है। इससे स्पष्ट होता है कि लोकतंत्र के विकास में भी महिला महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। वो लोकसभा चुनाव में महिला प्रतिनिधित्व की संख्या बढ़कर 10% से अधिक हो गई। संसद में महिला को 33% आरक्षण देना। का बिल पारित नहीं हो सका लेकिन बिहार में वर्तमान सरकार ने पूरे देश में सर्वप्रथम पंचायती राज - चुनाव में 33% आरक्षण दिया। जो सभी को जारी है। इससे हमें सकारात्मक परिणाम मिले। वर्तमान में बिहार सरकार ने सभी सरकारी नौकरियों में महिला को 35% आरक्षण दे दिया। अब महिलाएं घरों से निकलकर चारों ओर देश का प्रतिनिधि निभा रहे हैं। महिलाओं को भागीदारी से लोकतंत्र काफी मजबूत हुआ। पंचायत को तरह विधान सभा और लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण देने को जरूरत है ताकि बिहार का लोकतंत्र काफी मजबूत हो सके।

(3) परिवार और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित करते हैं?

Ans: → गलत ढंग से अपने परिवार या रिश्ते में लोग को लाना पहचाना या कोई राजनीतिक पद दिलाना हो जाने पर उसे परिवार के लोगों के द्वारा गलत तिकड़ बटकारा को परिवार के लोगों को तिकड़ देना - परिवारवाद कहलाता है।

जाति के नाम पर मतदान करना या जाति के विकास को समर्थन देना, कई सालों जाति जिनसे संबंध रखते हों का बारबार होना, जातिवाद कहलाता है।

परिवारवाद और जातिवाद के कारण परिवार या संबंध जाति के लोगों के पास सत्ता आती है जिससे वे सत्ता का दुरुपयोग करते हैं। देश का विकास रुक जाता है भ्रष्टाचारी योजनाएं तेज हो जाते हैं। लोगों का लोकतंत्र पर से विश्वास उठने लगता है। अतः परिवारवाद और जातिवाद लोकतंत्र की सफलता के मार्ग की बड़ी बाधा है। विचार में भी इनकी जड़ें गहरी हो गई हैं विचार के लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए इन्हें दूर करने की आवश्यकता है।

(4) क्यों चुने हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी मर्जी से सब कुछ कर सकते हैं।
लोकतांत्रिक भारतीय व्यवस्था में मतदान द्वारा जनता ~~जनम~~ पांच वर्षों के लिए जनप्रतिनिधियों का चुनाव करती है। यदि जनप्रतिनिधि पांच वर्ष के अवधि में जनता के उम्मीदों और आकांक्षा के विश्वास से काम नहीं करते हैं तो जनता उसे अगले चुनाव में हरा देते हैं। चुने हुए

प्रतिनिधि सभा : कुछ अन्य नाम भी दिये जा सकते हैं। उन्हें कानून के दायरा के अन्दर रहकर काम करने पड़ता है। कानून को उल्लंघन उन्हें नहीं करने देना चाहिए। चुनाव के अधिकार कानून दिये जाने के पूर्व विधेयक द्वारा चुनाव रोके जा सकते। मतदाता को प्रलोभन या भय दिखाकर लाभ उठाते हैं। अतः चुनाव हेतु कानून में अन्य भी दिये नहीं कर सकते हैं।

(5) न्यायपालिका की भूमिका लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने ? इसके स्वरूप के उपाय क्या हो।

Ans:→ भारतीय लोकतंत्र के तीन अंग हैं। (i) कार्यपालिका (ii) विधायिका और (iii) न्यायपालिका। कार्यपालिका, विधायिका की प्रति उत्तर दायी होती है और विधायिका न्यायपालिका के प्रति। किसी भी लोकतंत्र के सफलता में स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका की भूमिका सर्वोपरि होती है। अमेरिका और ब्रिटेन में लोकतांत्रिक सफलता में वहां के न्यायपालिका की प्रमुख देन है। लेकिन भारत में ऐसा कहा नहीं है। न्यायपालिका द्वारा न्याय देने की सफलता काफी चर्चा है। कई मामले कोर्ट में वर्षों से लम्बित पड़े हैं।

Teacher's Signature .....

यहां कार्यपालिका और विधायिका आपस में मिलकर न्याय पालिका को ठीक से काम करने नहीं देते हैं। न्यायपालिका द्वारा दबाव में दिए गए निर्णय के कारण जनता का विश्वास से उठ जाते हैं।

अतः न्यायपालिका को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए। न्यायपालिका को इतनी शक्ति देनी चाहिए कि वह स्वयं होकर न्याय कर सके। दबाव और उत्पीड़न वाले लोग उस पर दबाव नहीं बना सके। तभी न्यायपालिका पर जनता का पूर्ण भरोसा होगा और भारतीय लोकतंत्र एक सफल लोकतंत्र बन पाएगा।